

न्यायालय सहायक कलक्टर (मु०) सीकर
पीठासीन अधिकारी :- कविता गोदारा, आर०ए०एस०

वाद पत्र सं :: 56/2017

जीसीएमएस सं० :: 2017/00098

1. दल्लाराम आयु 50 वर्ष। पुत्र/ पुत्रिया स्व० मूला
2. सोहनी आयु 65 वर्ष ।
3. कमली आयु 52 वर्ष ।
4. सुरजी देवी आयु 80 वर्ष बेवा मूला समस्त जाति हरिजन (बलाई)
निवासीगण ग्राम रानोली तह० दांतारामगढ़ जिला सीकर राज०।

- वादीगण,

बनाम

1. कंचन देवी पत्नी छीतरमल जाति खटीक नि० बुटोली तह० व जिला सीकर राज०।
2. कालूराम पुत्र मूला जाति हरिजन (बलाई) नि० रानोली तह० दांतारामगढ़ जिला सीकर राज०।
3. श्यामलाल पुत्र मूला जाति हरिजन (बलाई) नि० रानोली तह० दांतारामगढ़ जिला सीकर राज०।
4. हल्का पटवारी ग्राम रानोली तह० दांतारामगढ़, जिला सीकर।
5. उप पंजीयक पलसाना तह० दांतारामगढ़, जिला सीकर।
6. राजस्थान सरकार जरिये भू धारक उप तहसीलदार, पलसाना तहसील दांतारामगढ़, जिला सीकर।
7. फूलचंद पुत्र स्व० मूला जाति हरिजन बलाई नि० रानोली जिला सीकर।

- प्रतिवादीगण

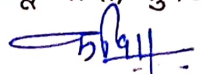
उपस्थित :- श्री सुरेश कुमावत, वकील वादीगण की ओर से।

दावा बाबत उद्घोषणा, स्थाई निषेधाज्ञा अंतर्गत धारा 88,188
राज०काश्त०अधिनियम एवं रिकॉर्ड दुरुस्ती अंतर्गत धारा 136
एलआर एक्ट एवं शुन्य प्रभावहीन घोषित किये जाने विक्रय पत्र।

निर्णय

दिनांक :: 06.10.25

पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। वाद का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से है कि ग्राम रानोली तहसील दांतारामगढ़, सीकर में अवस्थित कृषि भूमि ख०नं० 565, 567, 568, 569, 570, 563 कुल किता 6 कुल रकबा 1.90 है० अवस्थित है। इसमें वादीगण व प्रति०सं० 2, 3 व 7 का 1/4 हक व हिस्सा पैतृक अवस्थित है तथा वादीया सं० 4 का अलग से 2/7 हक व हिस्सा जरिये समोचन से प्राप्त हिस्सा है, जिसको सुरजी देवी ने 2/7 हिस्से में से 1/7 हिस्सा कालू पुत्र मूला व 1/7 हिस्सा विमला पत्नी दल्लाराम को बेचान कर दिया, जिसपर वे काबिज काश्त है। वाद के पैरा सं० 2 अनुसार वादीगण का सजरा खानदान है। वर्णित कृषि भूमियों के पुराने ख०नं० 310, 311, 313 कुल किता 3 कुल रकबा 3.67 है० की खातेदारी का विभाजन होकर ख०नं० 310,311, 313 की खातेदारी धन्ना पुत्र मंगला जाति कुमावत वैद की ढाणी के नाम स्वीकार की गई तथा ख०नं० 131/1 रकबा 1.90 है० की खातेदारी मूला पुत्र बोदू व नारायण के वारिसान बाबू, गीदा, सुवटी,


सहायक कलक्टर (मु०) सीकर

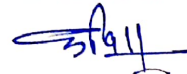
सुवा, छोटी, जानकी के नाम हिस्सा 1/2 संयुक्त रूप से तथा नानू पुत्र विरडा जाति अहीर नि० वैद की ढाणी के नाम 1/2 हिस्सा स्वीकार हुआ था। जमाबंदी सं० 2044-2047 के द्वारा प्रमाणित है तथा इसके संबंध में कोई विवाद नहीं है। इस प्रकार वादी व प्रति० सं० 2, 3 व 7 का पैतृक 1/4 हक व हिस्सा मूला के वारिसान होने से है तथा नारायण के वारिसान का 1/4 हक हिस्सा पैतृक रूप से था। वादीगण ने वाद पत्र पेश कर वाद की मद सं० 16 की उप मद क, ख, ग, घ, ङ, च अनुसार वाद वादीगण डिकी करने का निवेदन किया है।

वाद-पत्र पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये समन तलब किये जाने पर प्रति० सं० 1. ता 7 बावजूद रजिस्टर्ड तामील के हाजिर नहीं आए इसलिए इनके विरुद्ध कार्यवाही एकतरफा अमल में लाई गई।


वादीगण ने वाद के समर्थन में प्रमाणित प्रतिलिपि जमाबंदी दिनांक 8.6.17 प्रदर्श-1, जमाबंदी सं० 2044-47 प्रदर्श-2, ना०क० दिनांक 16.10.01 प्रदर्श-03, जमाबंदी संवत् 2057-60 प्रदर्श-04, मिलान क्षेत्रफल प्रदर्श-05, नकल जमाबंदी दिनांक 8.6.17 प्रदर्श-06 पेश किए एवं साक्ष्य में वादी दल्लाराम पुत्र स्व० मूला द्वारा स्वयं का शपथ पत्र पेश किया।

बहस वकील वादीगण सुनी गई। बहस के दौरान वकील वादीगण द्वारा निवेदन किया गया कि मूला व नारायण दो भाई थे। दोनों के जमीन प्रदर्श-02 के हिस्सा से 1/4 होनी थी। नारायण खत्म हो गया। नारायण के 6 पुत्र/पुत्री थे। सभी का नाम आ गया है। नारायण के हिस्से के टुकड़े होने थे और मूला का हिस्सा कम कर दिया जबकि मूला को 1/4 हिस्सा ही रहना था। हमारा हिस्सा 1/2 होना था वह 1/14 हो गया, जिससे हमारी जमीन कम हो गई है। नारायण के वारिसों ने अपनी जमीन कंचन को बेचान कर दी है।

पत्रावली में उपलब्ध राजस्व रिकार्ड का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से जाहिर है कि राजस्व ग्राम रानोली तहसील दांतारामगढ़, सीकर में अवस्थित कृषि भूमि ख० नं० 565, 567, 568, 569, 570, 563 कुल किता 6 कुल रकवा 1.90 है० अवस्थित है। इसमें वादीगण व प्रति० सं० 2, 3 व 7 का 1/4 हक व हिस्सा पैतृक अवस्थित है तथा वादीया सं० 4 का अलग से 2/7 हक व हिस्सा जरिये समोचन से प्राप्त हिस्सा है, जिसको सुरजी देवी ने 2/7 हिस्से में से 1/7 हिस्सा कालू पुत्र मूला व 1/7 हिस्सा विमला पत्नी दल्लाराम को बेचान कर दिया, जिसपर वे काबिज काश्त है। मूला व नारायण दो भाई थे। दोनों के जमीन प्रदर्श-02 के हिस्सा से 1/4 होनी थी। नारायण खत्म हो गया। नारायण के 6 पुत्र/पुत्री थे। सभी का नाम आ गया है। नारायण के हिस्से के टुकड़े होने थे जबकि मूला का हिस्सा कम कर दिया जबकि मूला को 1/4 हिस्सा ही रहना था। जो 1/14 हो गया है।



अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर वाद वादीगण डिक्री किया जाकर राजस्व ग्राम राजस्व ग्राम रानोली तहसील दांतारामगढ़, सीकर में अवस्थित कृषि भूमि ख०नं० 565, 567, 568, 569, 570, 563 कुल किता 6 कुल रकबा 1.90 है० भूमि का वादीगण एंव प्रतिवादी सं० 2, 3 व 7 को वर्णित कृषि भूमि में 1/14 की बजाय 1/4 हक व हिस्से का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। साथ ही वादिया सं० 4 सुरजी देवी द्वारा अपने अपने अलग से खरीद किये गये 2/7 हिस्सा का बेचान कालू राम पुत्र मूला व विमला पत्नी दल्लाराम को किये जाने पर सुरजी देवी का नाम हजफ किया जाकर कालू राम पुत्र मूला व विमला पत्नी दल्लाराम को उसके स्थान पर 1/7, 1/7 हिस्से का खातेदार काश्तकार उद्घोषित किया जाता है तथा ना०करण सं० 194 दिनांक 16.10.2001 व ना०करण सं० 771 दिनांक 20.06.1971 व ना०करण सं० 1004 दिनांक 10.06.2014 को निरस्त व शुन्य घोषित किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिय स्थाई निषेधाज्ञा से प्रतिबंधित किया जाता है कि वे वादीगण के कब्जा काश्त में दखलदांजी करने से बाज रहे। तहसीलदार, दांतारामगढ़, सीकर को आदेशित किया जाता है कि उक्तानुसार राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद करावे। पर्चा डिक्री जारी हो। पत्रावली फैशल शुमार होकर नंबर से कम हो। बाद तकमील कागजात दाखिल दफतर हो। निर्णय आज दिनांक 06.10.2025 को सरे इजलास सुनाया गया।


(कविता गोदारा)

आर०ए०एस०

सहायक कलक्टर (मु०) सीकर